समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

ऑपरेशन सिंदूर : 'पाकिस्तान मे संघर्ष वाले क्षेत्र छोड़ दें', भारत के हमलों के बाद अमेरिका ने जारी की एडवाइजरी।

Publisher

Published on 07 May 2025

अमेरिका ने पाकिस्तान को लेकर सुरक्षा अलर्ट जारी कर अमेरिकी नागरिकों को संघर्ष वाले क्षेत्र छोड़ने की सलाह दी. अमेरिका भारत के चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' पर बारीकी से नजर रख रहा है.

पाकिस्तान में अमेरिका ने बुधवार को एक सुरक्षा अलर्ट जारी कर अमेरिकी नागरिकों को संघर्ष वाले क्षेत्र छोड़ने की सलाह दी है. अमेरिकी मिशन ने कहा कि वह पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर भारत के चलाए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद 'घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहा है'.

हम घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं- अमेरिका

'सैन्य गतिविधि और बंद हवाई क्षेत्र' शीर्षक वाली सुरक्षा चेतावनी में कहा गया है, ''हमें भारत के पाकिस्तान में सैन्य हमलों की रिपोर्ट के बारे में पता है. यह एक उभरती हुई स्थिति है और हम घटनाक्रम पर बारीकी से नजर रख रहे हैं.'' इसमें कहा गया है, ''अमेरिकी नागरिकों को आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की संभावना के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा और नियंत्रण रेखा के आस-पास के क्षेत्रों के लिए 'यात्रा नहीं करें' के परामर्श और आम तौर पर पाकिस्तान के लिए अमेरिकी विदेश विभाग की 'यात्रा पर पुनर्विचार करें' सलाह की याद दिलाई जाती है.''

चेतावनी में कहा गया है, ''हमें यह भी पता है कि हवाई क्षेत्र बंद कर दिया गया है, और कई उड़ानें रद्द कर दी गई हैं.'' इस संदेश के माध्यम से पाकिस्तान में अमेरिकी दूतावास और वाणिज्य दूतावासों ने अमेरिकी नागरिकों को सलाह दी कि ''यदि वे सुरक्षित रूप से कर सकते हों तो सक्रिय संघर्ष वाले क्षेत्रों को छोड़ दें, या किसी सुरक्षित स्थान पर शरण लें.''

आस-पास के वातावरण से अवगत रहें- अमेरिका

इसमें कहा गया है कि अमेरिकी नागरिकों को सावधानी बरतनी चाहिए और ''यदि आप खुद को अप्रत्याशित रूप से सैन्य गतिविधियों के आस-पास पाते हैं तो उस क्षेत्र को छोड़ दें. यदि स्थानांतरित नहीं हो सकते हैं तो आश्रय लें, व्यक्तिगत सुरक्षा योजना की समीक्षा करें, खामोशी से रहें, आस-पास के वातावरण से अवगत रहें, पहचान पत्र साथ रखें और अधिकारियों के साथ सहयोग करें.''

अमेरिकी विदेश विभाग ने मार्च में 'आतंकवाद और सशस्त्र संघर्ष की संभावना के कारण' पाकिस्तान की यात्रा पर पुनर्विचार करने के लिए एक यात्रा परामर्श जारी किया था. परामर्श में कहा गया, ''आतंकवाद के कारण बलूचिस्तान प्रांत और खैबर पख्तूनख्वा (केपी) प्रांत, जिसमें पूर्व संघ प्रशासित कबायली क्षेत्र (एफएटीए) शामिल हैं, की यात्रा न करें और आतंकवाद तथा सशस्त्र संघर्ष की आशंका के कारण भारत-पाकिस्तान सीमा और नियंत्रण रेखा के सन्निकट क्षेत्र की यात्रा न करें.''

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.